

Nature of punishment of awarded

One person was sentenced to 6 months R.I.

Two persons were sentenced to 4 months R.I.

4 persons were sentenced to 3 months R.I.

4 persons were discharged.]

भारत और पाकिस्तान में विभाजित परिवारों का पुनर्मिलन

७७१. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १९५३ में हुई इन्डो-पाकिस्तान पासपोर्ट कांफ्रेंस के निर्णय के अनुसार अब तक कितने विभाजित परिवारों को पुनर्मिलन की सुविधायें दी गई हैं; और

(ख) उस निर्णय के उपरान्त पाकिस्तान से कितने पुरुषों तथा स्त्रियों को भारत में बसने की इजाजत दी गई है ?

†[REUNION OF DIVIDED FAMILIES IN INDIA AND PAKISTAN

771. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) the number of divided families so far provided with facilities for reunion in accordance with the decision of the Indo-Pakistan Passport Conference held in 1953; and

(b) how many men and women from Pakistan have so far been permitted to settle in India since that decision?]

गृह-कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बी० एन० दातार): (क) जुलाई, १९५७ के अन्त तक ३,६६० परिवारों को ।

(ख) जुलाई, १९५७ के अन्त तक २,१५० पुरुष तथा ४,५५० स्त्रियों को, जिन में बच्चे भी शामिल हैं ।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI B. N. DATAR): (a) 3,660 till the end of July, 1957.

(b) 2,150 males and 4,550 females including children till the end of July, 1957.]

पड़ाव स्थल

७७२. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कितने पड़ाव को अब तक शिक्षण संस्थाओं व अन्य लोक-कल्याणकारी संस्थाओं को दे दिया गया है;

(ख) इन संस्थाओं के साथ मूल्यों में अन्य लेने वालों के मुकाबले में क्या रियायत की गई है; और

(ग) राज्य सरकारों को यह पड़ाव किन मूल्यों व शर्तों पर दिये गये हैं ?

†[CAMPING GROUNDS

772. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) the number of Camping Grounds so far given to educational institutions and other institutions engaged in public welfare activities;

(b) the concession in price given to these institutions in comparison to other indentors; and

(c) the price and terms on which Camping Grounds have been given to State Governments?]

प्रतिरक्षा उप मंत्री (श्री के० रघुरमैया): (क) १२ ।

(ख) रेलवे मंत्रालय को छोड़ कर केन्द्रीय मंत्रालयों के सिवाय किसी 'प्रायोरिटी इंडेण्टर' को मूल्य में छूट नहीं दी जाती ।

(ग) भूमि और उस पर सम्पत्ति का, यदि कुछ हो, प्रचलित मार्केट मूल्य देने पर ।

†[THE DEPUTY MINISTER OF DEFENCE (SHRI K. RAGHURAMIAH): (a) 12.

(b) No concession in price is allowed to any 'Priority Indentors' other than the Central Ministries excluding the Ministry of Railways.

(c) On payment of current market value of the land as well as of the assets standing thereon, if any.]

भारत व इंडोनेशिया के मध्य वायु-सेना के अफसरों का आदान प्रदान

७७३. श्री नवाब सिंह चौहान :

क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि इंडोनेशिया व भारत के आपसी सहयोग के समझौते के अनुसार कितने भारतीय वायु-सेना के अफसर इंडोनेशिया वायु-सेना में लग रहे हैं और कितने इंडोनेशिया वायु-सेना के अफसर भारतीय वायु-सेना में ?

†[EXCHANGE OF AIR FORCE OFFICERS BETWEEN INDIA AND INDONESIA

773. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state the number of Indian Air Force Officers who are attached to the Indonesian Air Force and how many Indonesian Air Force Officers are attached to the Indian Air Force under the Mutual Co-operation Agreement between Indonesia and India?]

प्रतिरक्षा उपमंत्री (श्री के० रघुरमैया):
समझौते के अनुसार वर्तमान समय में भारतीय वायु-सेना के ४ आफिसर इंडोनेशियन एयर फोर्स के साथ और इंडोनेशियन एयर फोर्स के ६ आफिसर और ४ हवाबाज भारतीय वायु-सेना के साथ संलग्न हैं ।

†[THE DEPUTY MINISTER OF DEFENCE (SHRI K. RAGHURAMIAH): Four Indian Air Force officers are attached to the Indonesian Air Force and six Indonesian Air Force officers and four airmen are attached to the Indian Air Force at present under the Agreement.]

नौ सेना के लिये देश में उत्पादित सामान

७७४. श्री नवाब सिंह चौहान :
क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नौसेना के मुख्यालय का स्टोर्स व प्रोडक्शन का डायरेक्टोरेट विदेशों से मगाये जाने वाले कितने व कितने मूल्य के सामान को प्रतिवर्ष अब भारतीय उद्योगों से ही प्राप्त कर रहा है; और

(ख) वह चीजें क्या हैं और विदेशी सामान के मुकाबले में प्रकार व मूल्य के मामले में क्या स्थान रखती है ?

†[INDIGENOUS PRODUCTION OF NAVAL STORES

774. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) the quantity and value of stores which were previously ordered every year from abroad by the Stores and Production Directorate of the Naval Headquarters and which are now being obtained from Indian industries; and

(b) what are those stores and how they compare in quality and price with foreign stores?]

प्रतिरक्षा उपमंत्री (श्री के० रघुरमैया):

(क) १९५६-५७ और १९५७-५८ के पहले त्रिमास में इस प्रकार के सामान के आंकड़े और मूल्य क्रमशः ८० टन और १२.५ लाख रुपये और २६ टन और ५.७५ लाख रुपये हैं, और १९५७-५८ के प्रत्याशित आंकड़े और मूल्य १६० टन और २३ लाख रुपये ।